

क्रमांक 2169-ज(II)-81/44089.—श्री रामजी लाल, पुत्र श्री मंगल, गांव बत्वा, तहसील कोसली, जिला रोहतक, की दिनांक 23 जून, 1975 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रामजी लाल को मुद्रित 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 6093-२-४-६७/4503, दिनांक 29 नवम्बर, 1967 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती धन कीर के नाम रवी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 22 दिसम्बर, 1981

क्रमांक 2335-ज-I-81/45088.—श्री गोरखन तिह, पुत्र श्री चुनी लाल, गांव तिहोर, तहसील व जिला महेंद्रगढ़, की दिनांक 11 जून, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री गोरखन तिह को मुद्रित 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2449-जे.एत.-III-66/4842, दिनांक 26 मार्च, 1966, 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती धोबड़ी के नाम रवी, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 2361-ज(I)-81/45092.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री किशोरी लाल, पुत्र श्री चूता राम, ग्राम कनूका, तहसील बावल, जिला महेंद्रगढ़, को रवी, 1966 से रवी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहृदय प्रदान करते हैं।

क्रमांक 2209-ज(I)-81/45191.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा (2ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती गारनी, विद्वा श्री नेकी राम, गांव व तहसील वावानी खेड़ा, जिला मिवानी, को रवी, 1968 से रवी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहृदय प्रदान करते हैं।

दिनांक 8 जनवरी, 1982

क्रमांक 2357-ज-I-81/961.—श्री सोभ राज, पुत्र श्री दोलत राम, गांव भिवानी, तहसील व जिला भिवानी, की दिनांक 3 अप्रैल, 1981, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री सोभ राज को मुद्रित 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 562-ज-I-76/13148, दिनांक 4 मई, 1976 तथा 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती शान देवी के नाम खरीफ, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहृदय प्रदान करते हैं।

दिनांक 12 जनवरी, 1982

क्रमांक 2484-ज(II)-81/1223.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री अनुप सिंह, पुत्र श्री मनशा राम, गांव कुलासी, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक, को रवी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहृदय प्रदान करते हैं।